!! जय महावीर !!
!! जय भिक्षु !! जय तुलसी !! जय महाप्रज्ञ !! जय महाश्रमण !!

सुनाम में संवत्सरी पर्व का आयोजन

अर्हम्

सुनाम – 12 सितम्बर को साध्वी श्री सोहनकुमारी जी के सान्निधय में पयुर्षण पर्व उल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रवचन के दौरान साध्वी जी ने कहा, कि संवत्सरी महापर्व अनादिकाल से मनाया जा रहा है। भगवान महावीर ने कहा कि सम्यक् दान, सम्यक् दर्शन और सम्यक् चारित्र इस त्रिपदी में स्नान कर अपने आपको निर्मल बनाना है। सम्वत्सरी पर्व मैत्री एवं अभयदान देने वाला पर्व है। अभयदान से बढकर कोई श्रेष्ठ दान नहीं है। साध्वी श्री लज्जावती जी ने भगवान ऋृष्भदेव से लेकर भगवान महावीर के जीवन को उजागर करते हुए कहा कि जैन धर्म एक प्राचीन धर्म है। इसमें किसी विशेष व्यकित की नही, गुणों की पूजा होती है। साध्वी श्री लावण्य श्री जी ने भगवान महावीर के 27 भवों के बारे में बताते हुए उनके साधनामय जीवन के बारे में बताया कि भगवान महावीर अपनी साढे बारह वर्षो की साधना को सहन करके वीर से महावीर बने। साध्वी सिद्वांत श्री जी ने जैन धर्म के सभी बुद्विमुनियों के जीवन के बारे में बताया। उन्होनें बताया कि साधना तीन प्रकार के मुनियों के द्वारा की जाती है। स्वयं बुद्व, प्रत्येक बुद्व, एवं बुद्व बोधित। इस अवसर पर युवक हितेश जैन, राजेन्द्र जी जैन ने अपने विचार प्रकट किए और उपस्थित भक्तजनों के द्वारा उपवास, पौषध आदि के द्वारा पर्व की साधना अराधना की गई। इसके इलावा श्री जैन श्वेताम्बर सभा सुनाम, युवक परिषद् एवं महिला मंडल ने गीतिकाओं के माध्यम से पर्व को मनाया।

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी (छापर) प्रवचन में अभयदान के महत्व को बताते हुए।

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

साध्वी श्री लज्जावती जी भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर के जीवन को उजागर करते हुए।

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

पौष्ध एवं उपवास करने वाले श्रावक - श्राविकाऐं

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

पौष्ध एवं उपवास करने वाले श्रावक - श्राविकाऐं

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

सामायिक करते हुए श्रावक

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।

क्षमायाचना दिवस

संवत्सरी के अगले ही दिन श्रावक – श्राविकाओं ने एक दूसरे से मिल कर खमत खमणा की। सभी ने क्रम अनुसार सभी से क्षमायाचना की। साध्वी श्री सोहन कुमारी जी (छापर) ने इस अवसर पर कहा कि लोगों के मनों में जो दीवारे है एक दूसरे के प्रति उसे आज तोड दें। साध्वी श्री जी ने कहा कि अगर हमारे द्वारा कोई कटु व्यवहार किसी के साथ हुआ हो तो वे हमें क्षमा करें।

हमारा सुनाम का तेरापंथ श्रावक समाज आप से खमत खमणा करता है। अगर जाने अनजाने में मन, वचन, काया से हमने कभी आपका दिल दुखाया हो तो हम लोग क्षमायाचना करते है।

इसी मंगल कामना के साथ

ओम् अर्हम्।

Yours Faithfully,

All T.Y.P Members,

President – Sumit Jain.

Secreatry- Gaurav Jain

Hitesh Jain (90413-99764)

कृप्या इसका जवाब जरूर भेजे इससे हमारे युवा साथियों का हौंसला बढेगा।